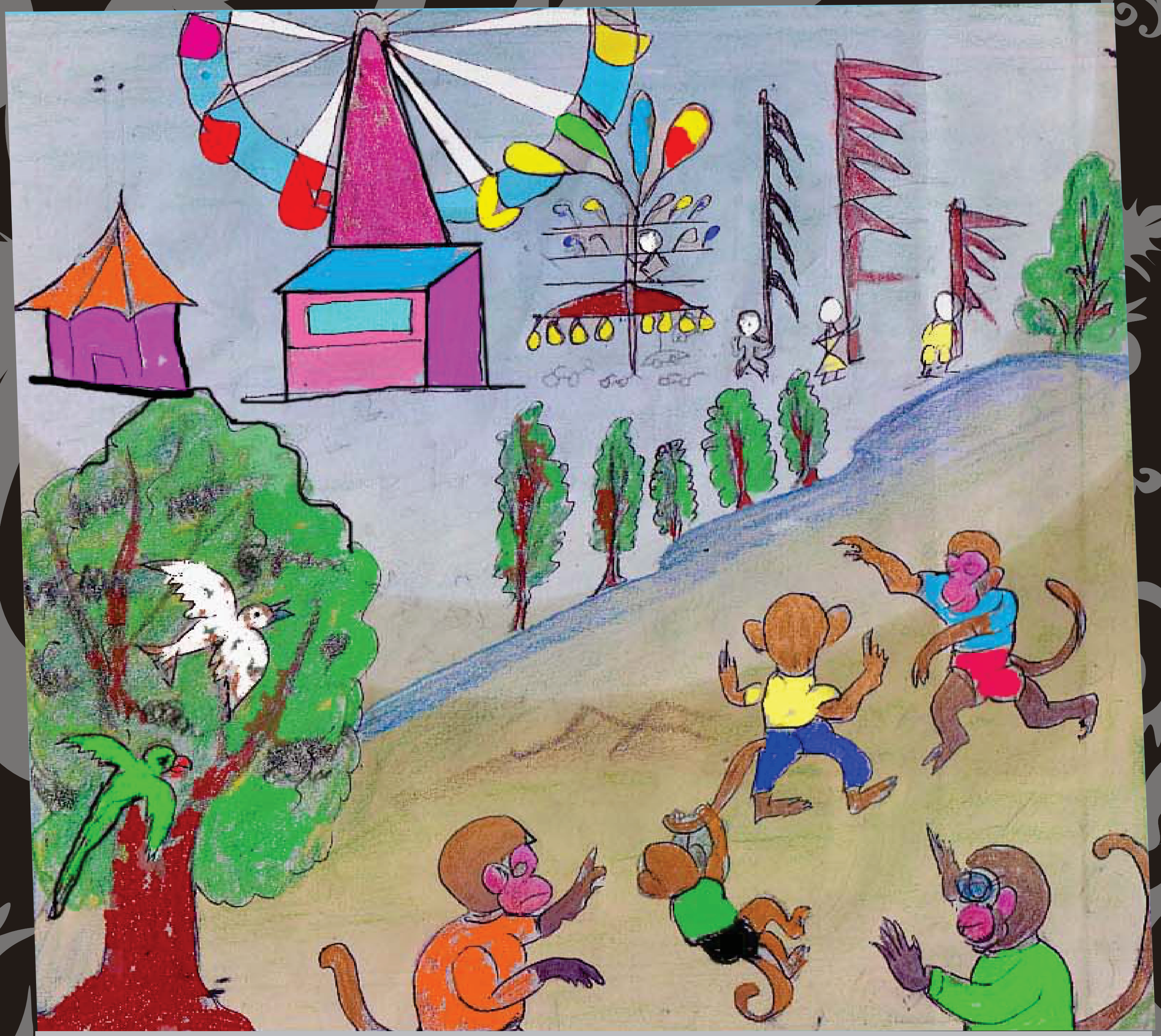

शब्दकोशः–

(ं) गंगा,जंगल,चिड़ियों,बंदरों,झुंड,लंगूर,चंचल,ठंडा,लंबी,चिंता,आनंदित,मंगल,

(ॅं)–डॉक्टर,कॉफी, (ँ)–सूँड़,जाँच,

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

10

जंगल में मंगल

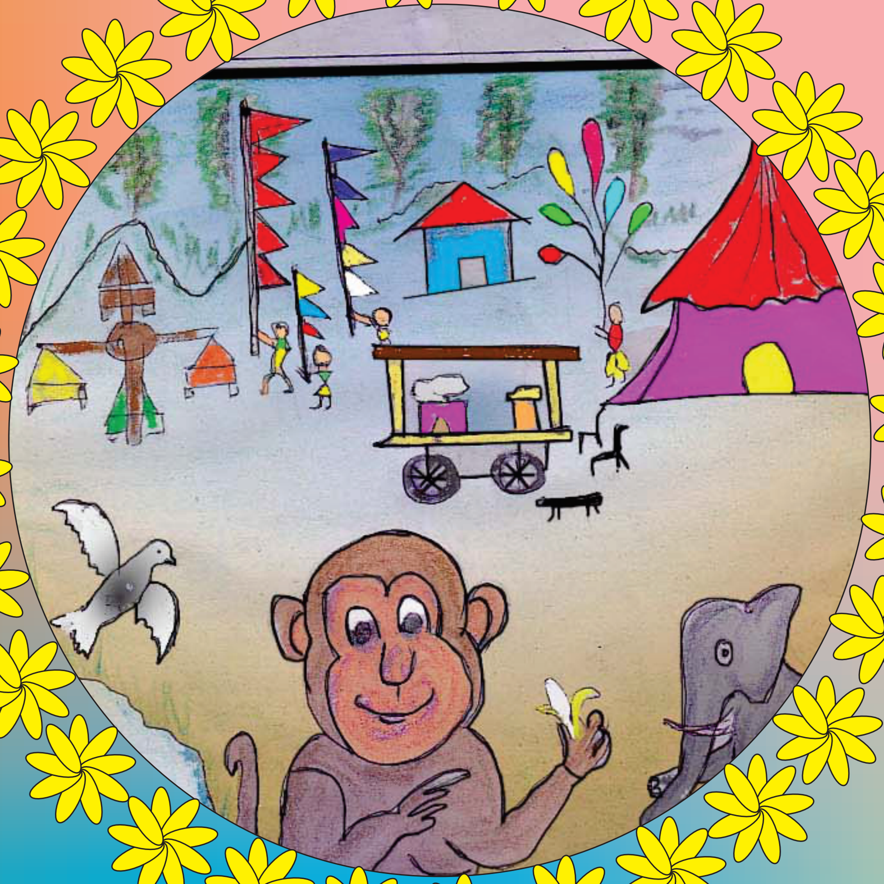

कक्षा–दूसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

गंगा नदी के किनारे एक जंगल था। वहीं पर मेला लगा था। चिड़ियों एवं बंदरों का झुंड मेला देखने गया।

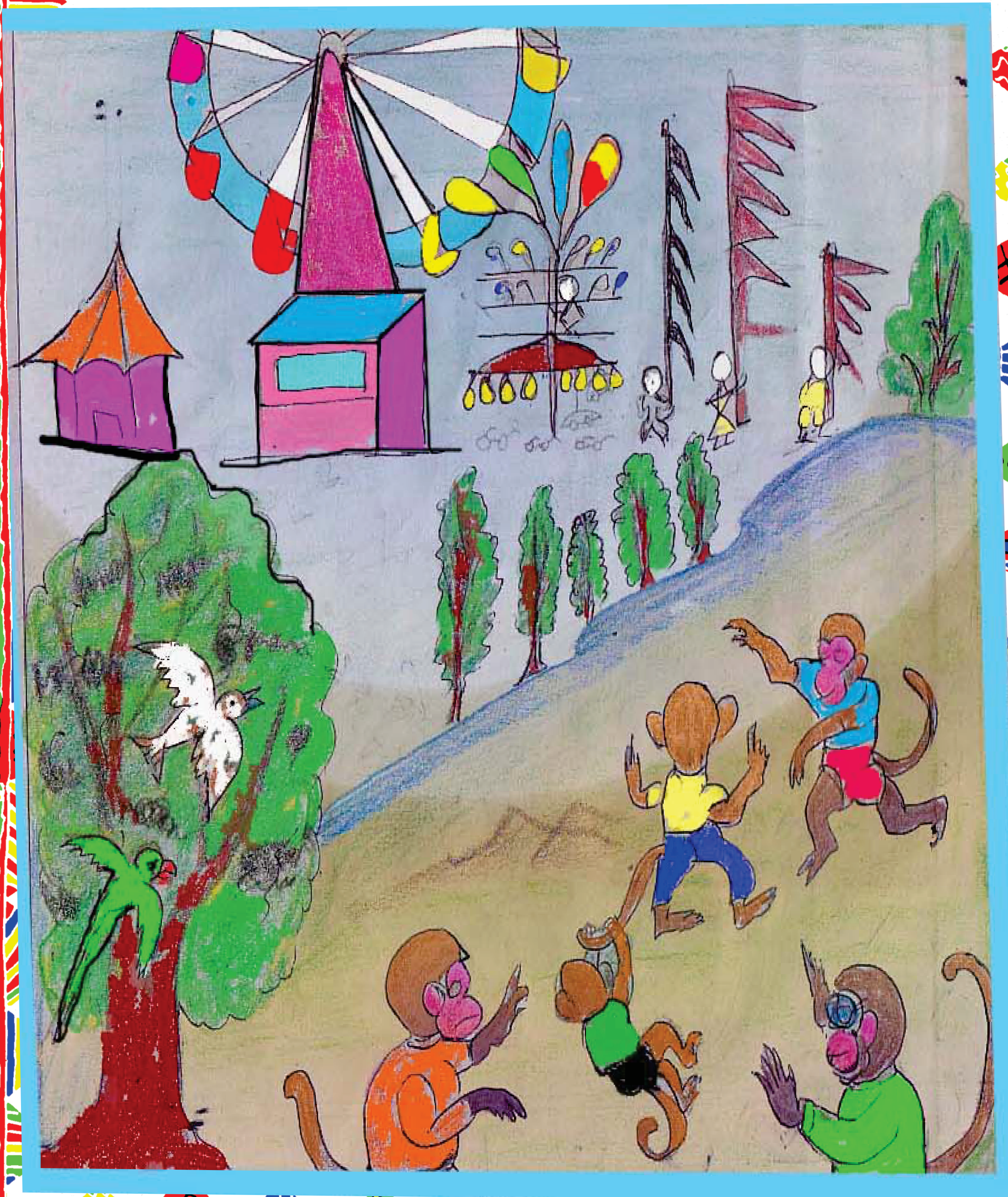

लंगूर को गरम कॉफी पिलाई गई। सबकी चिंता दूर हुई। सभी आनंदित हुए। जंगल में फिर से मंगल होने लगा।

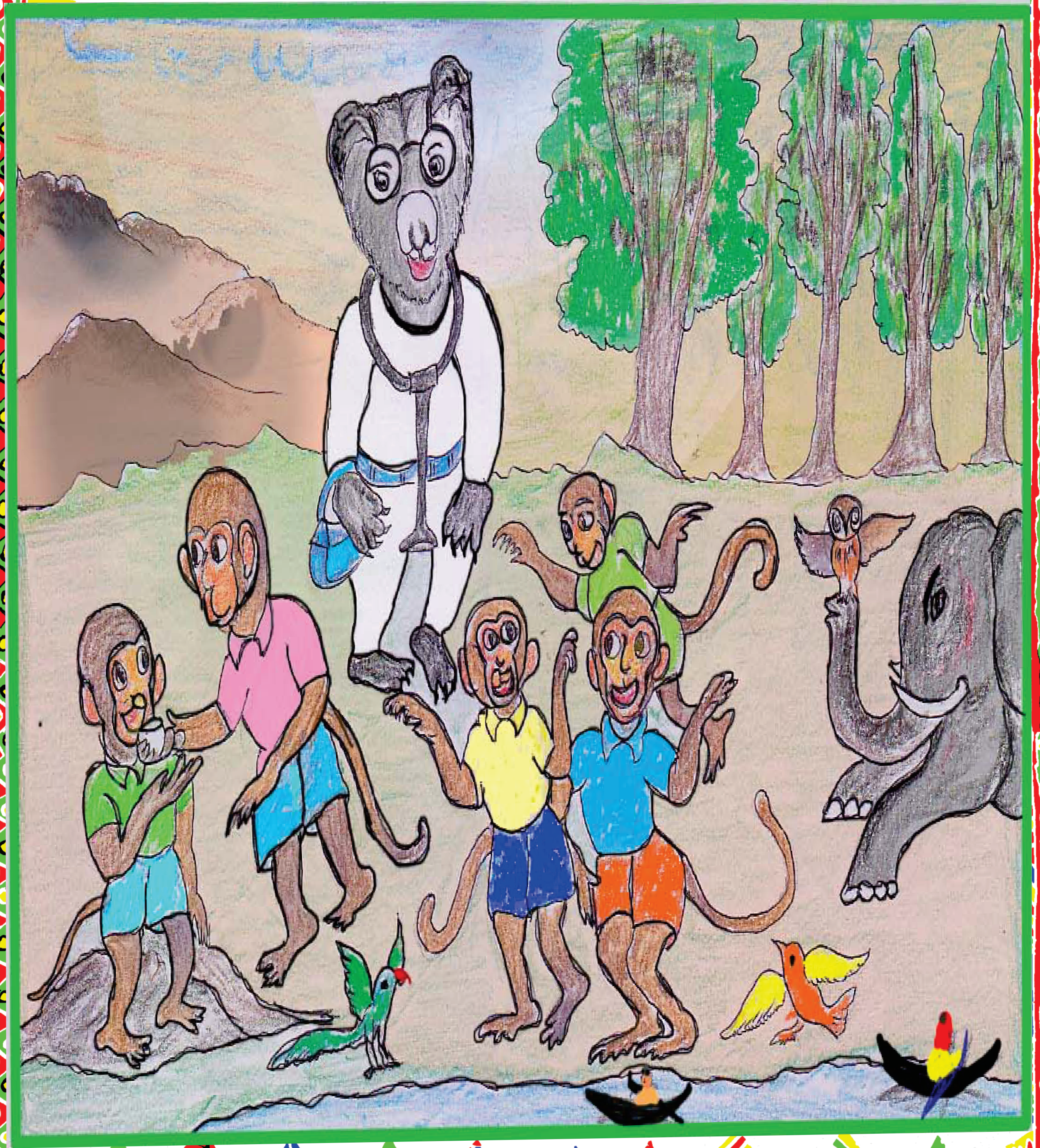

चिड़ियों ने डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर भोलू ने जाँच की। डॉक्टर ने कहा–"चिंता की कोई बात नहीं है।"

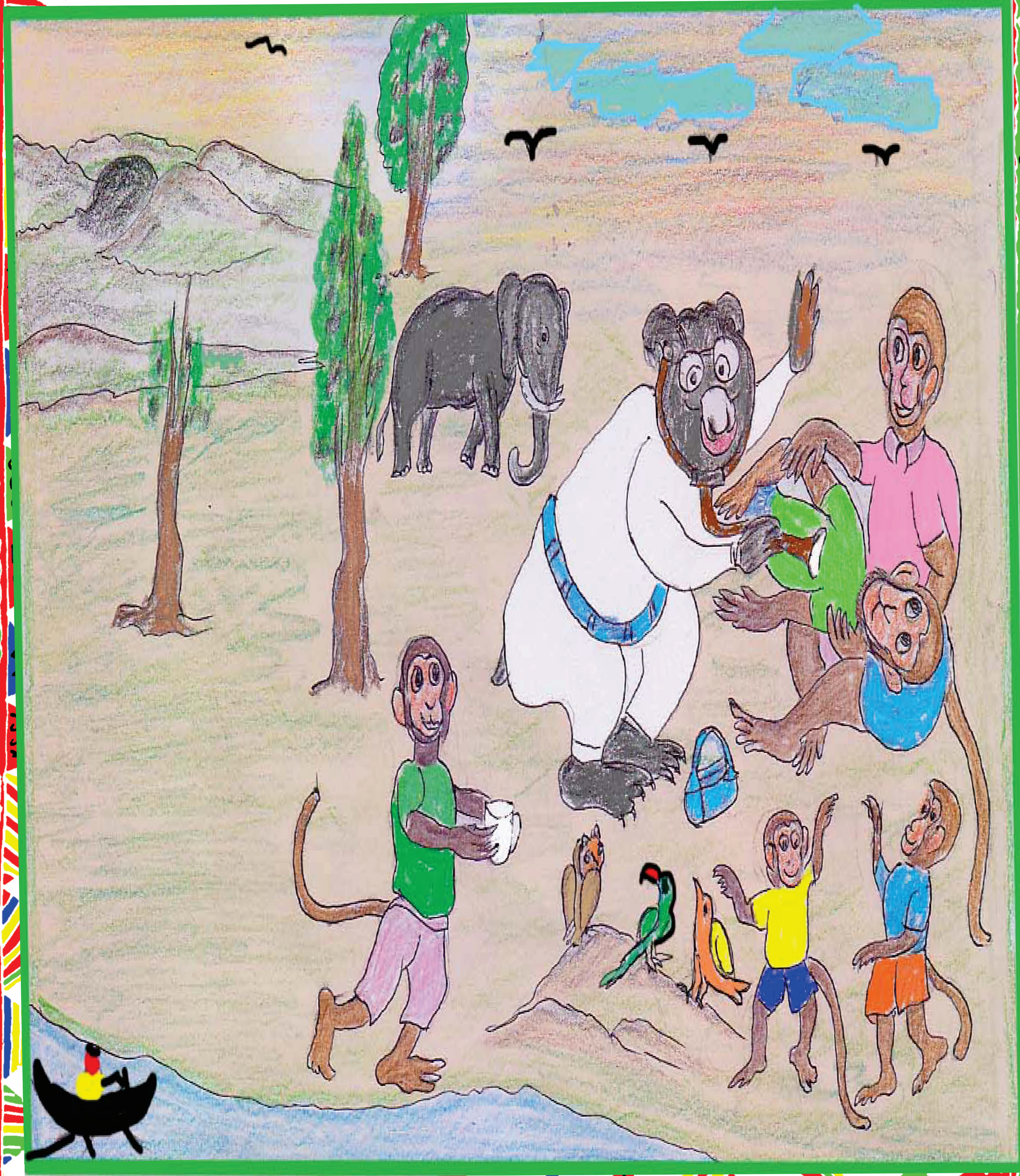

एक छोटा लंगूर बड़ा चंचल था। वह गंगा के जल में नहाने लगा। पानी ठंडा था। नदी गहरी थी। चंचल लंगूर डूबने लगा।

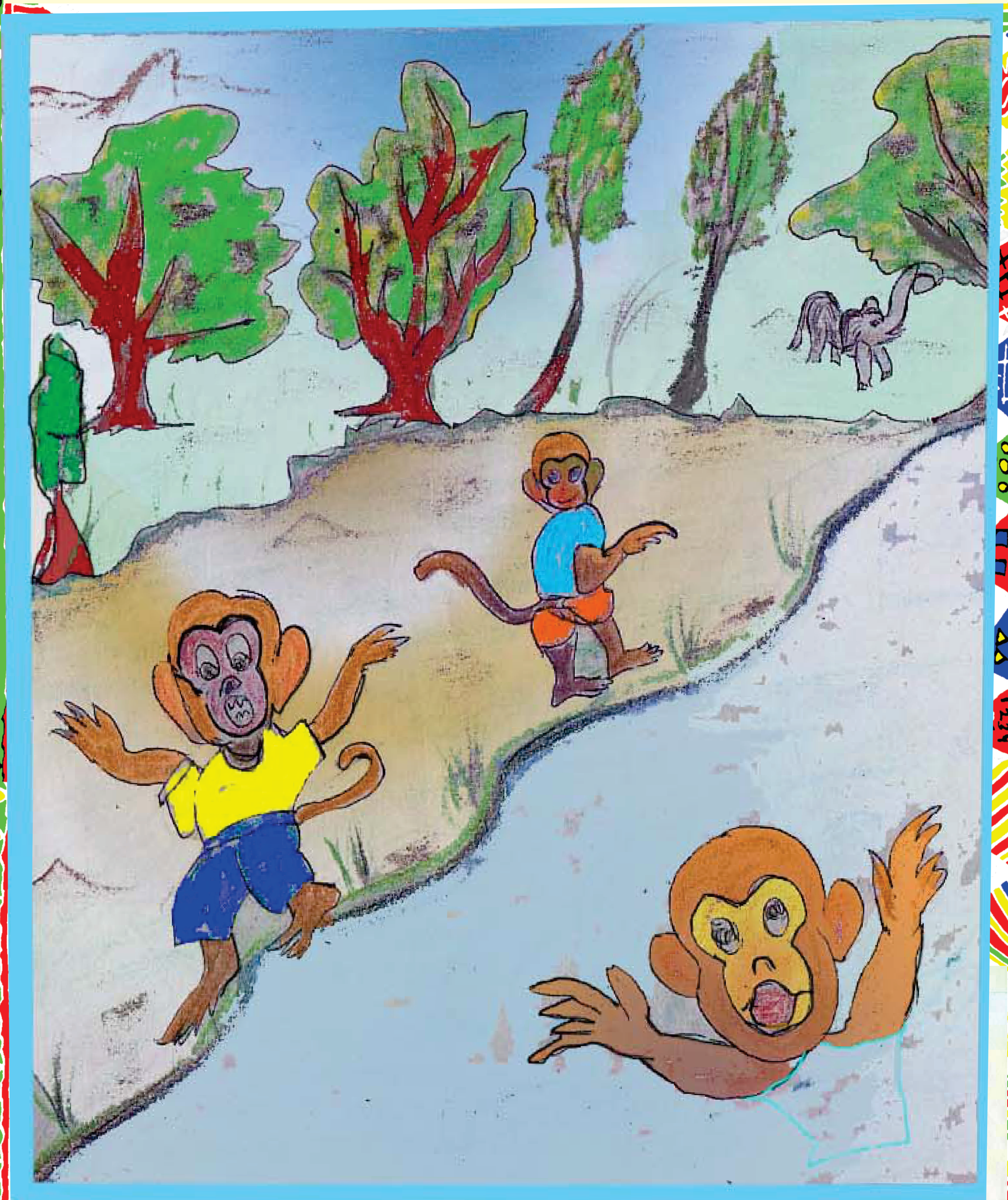

चिड़ियों ने आवाज लगाई। बंदरों को बुलाया। कोई भी लंगूर को नहीं निकाल पाया।

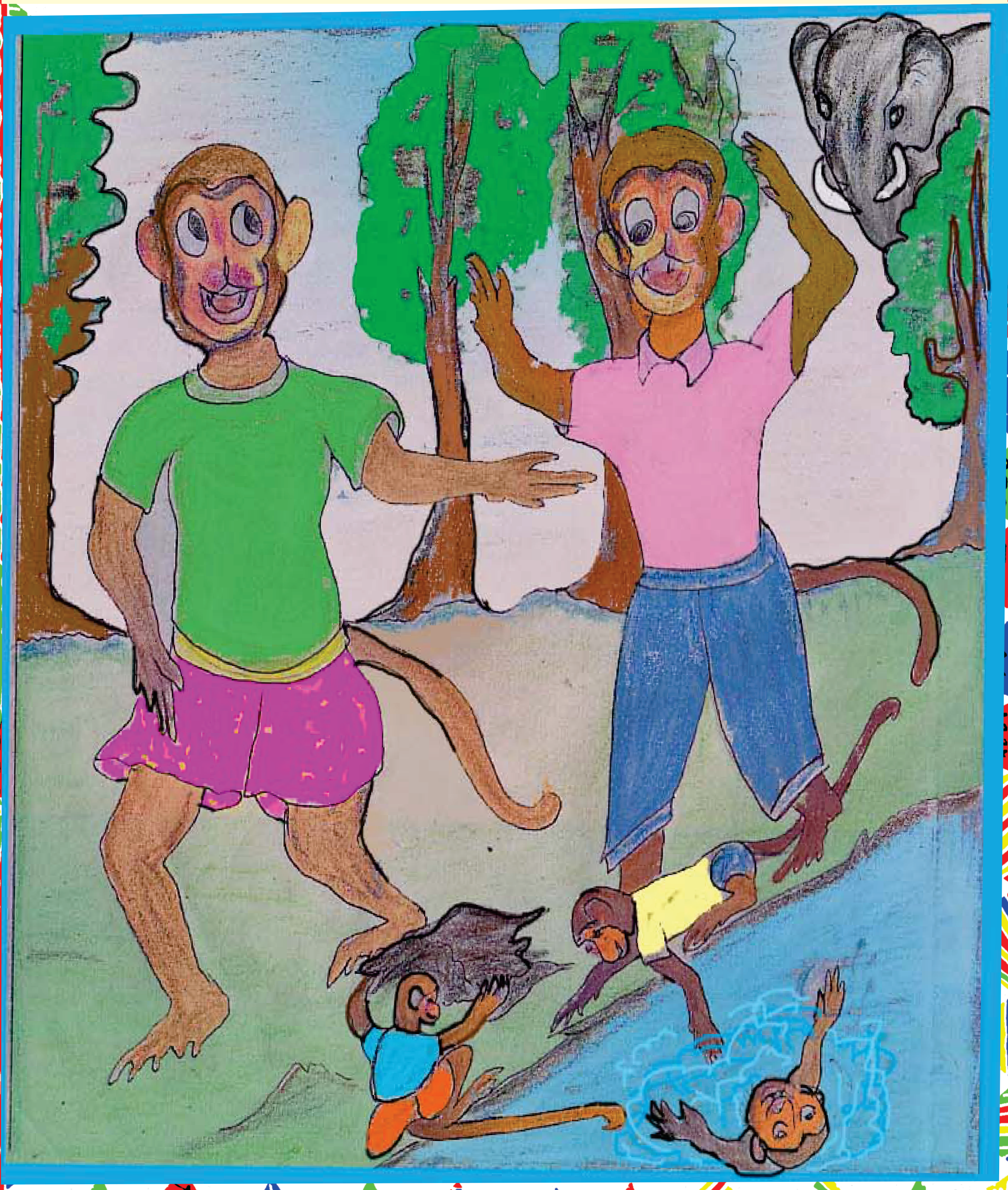

तभी हाथी ने अपनी लंबी सूँड़ बढ़ाई। चंचल लंगूर को नदी से बाहर निकाला।